CBSE UGC NET NOV 2017 PAPER II HINDI ANSWER KEY

Date of exam – 05 Nov 2017

Conducted by Central Board of Secondary Education

Contains answers of 50 questions

This is the answer key of CBSE UGC NET exam held on November 5, 2017 for Paper 2, Hindi. Candidates who have appeared in the UGC NET Hindi exam can check Paper 2 Hindi answer key here to know answers of all 50 questions.

THIS IS UNOFFICIAL ANSWER KEY OF CBSE UGC NET NOV 2017 PAPER 2 HINDI

Released after exam concluded on 05 Nov 2017

www,prikshaguru.in

7379089784 लक्ष्य अकादमी - बस्ती UGC-NET- हिन्दी द्वितीय प्रश्नपत्र

Space For Rough Work

(1) शौरसेनी अपभ्रंश - गुजराती
(2) शिवसिंह सरोज - 1883
(3) कथा की परीक्षा इतिहास की दृष्टि से नहीं - हजारीप्रसाद द्विवेदी
(4) सूरसागर में जगह-जगह दृष्टिकूट पद - रामचंद्र शुक्ल
(5) रथ पालकी गयंद गृह ग्राम चारु - पद्माकर
(6) सावन आवन हेरि सखी, मनभावन आवन चोप विशेखी - रोमांच
(7) प्रिय की सुधि सी ये सरिताएं - रामनरेश त्रिपाठी
(8) नाटक जारी है - लीलाधर जगूड़ी (9) आग और राग का कवि - दिनकर / धूमिल
(10) विश्वनाथ प्रसाद - मैला आंचल में तहसीलदार (11) बाल, वय: संधि, किशोर मन का चित्रण - शेखर: एक जीवनी
(12) अकहानी - गंगा प्रसाद विमल (13) प्रेमचंद का नाटक - कर्बला (14) हजारी प्रसाद का नहीं - प्रबंध प्रभाकर
(15) प्रगतिवाद - [illegible] शिवदान सिंह चौहान (16) सैषा सर्वैव वक्रोक्तिरनयार्थो विभाव्यते यत्नोऽस्यां कविना कार्यः कोऽलंकारोऽनया विना - भामह
(17) वक्रोक्ति का भेद नहीं - उक्ति विन्यास (18) कबीर - नानक - दादू - सुंदरदास (19) शिवराजभूषण - ललित - पद्माभरण - नवरस तरंग
(20) पल्लव - गुप्त - रामनरेश त्रिपाठी - निराला (21) बच्चन अज्ञेय मुक्तिबोध - रघुवीर सहाय
(22) अपनी खबर, नीड़ का निर्माण फिर, बसेरे से दूर, पिंजड़े का दर्द (23) शरणार्थी चरित्र कामरेड का कोट आगमन
(24) गोदान, कामधेनु मराल आगम की नाव (25) कफन सिद्धार्थ, जनमेजय का नागयज्ञ, ध्रुवस्वामिनी
(26) भट्टलोल्लक, शंकुक, भट्टनायक, अभिनवगुप्त (27) रस मीमांसा, आलोचना के मान, नयी कविता, नयी कविता के प्रतिमान
(28) विजयसेन - रेवतगिरि, नरपति नाल्ह - बीसलदेव, शालिभद्र - भरतेश्वर बाहुबलि रास
(29) श्री - रामानुजाचार्य, ब्रह्म - मध्वाचार्य, रुद्र - विष्णुस्वामी, सनकादि - निम्बार्क
(30) चंडीचरित - गोविंद सिंह, द्रोणपर्व - कुलपति मिश्र, सुजान चरित - सूदन, हिम्मतबहादुर विरुदावली - पद्माकर
(31) प्रेमवाटिका - रसखान, कवित्त रत्नाकर - सेनापति, रसरतन - पुहकर, तिलशतक - मुबारक
(32) वनबेला - निराला, उत्तरा - पंत, परिक्रमा - महादेवी, चित्राधार - प्रसाद
(33) इस पार प्रिये तुम हो मधु है - बच्चन, यह मंदिर का दीप - महादेवी वर्मा
(34) अयोध्यापुरी - झूमरलाल, चंद्रगहना - नदी के द्वीप, फूलमनी - वरुणजनमा, निर्गुनिया - जहाँ लक्ष्मी कैद है / मालती जोशी
(35) डॉ॰ जयपाल - मूठ, आनंदी - बड़े घर की बेटी, शंकर - सवा सेर गेहूँ, दीनदयाल - जुलूस
(36) चंद्रावली - नाटिका, विषस्य विषमौषधम् - भाण, एक घूँट - एकांकी, करुणालय - गीतिनाट्य
(37) अभिनवगुप्त - ध्वन्यालोक लोचन [illegible] भोजराज - सरस्वतीकंठाभरण, महिमभट्ट - व्यक्तिविवेक, राजशेखर - काव्यमीमांसा
(38) फल के बारे में अधिक आसक्ति से कर्म करने में रुचि घटती है।
(39) श्रीकृष्ण ने कहा था कि सिर्फ कर्म करते जाओ और फल की चिंता न करो
(40) कर्म अस्तुत होते हैं इसलिए उनके प्रति रुचि स्वाभाविक हो
(41) उसमें वासना मिली हुई है
(42) फल के प्रति अत्यधिक लोभ

B-000

8707729347

www.prikshguru.in